जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 14 मई 2019

जामिया के दो अध्यापकों को नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज़ इंडिया के सदस्यों के तौर पर चुना गया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के केमैस्ट्री विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. तौक़ीर अहमद और सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च में एसिस्टेंट प्रोफेसर डा. आसिमुल इस्लाम को 'द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज़, भारत :एनएएसआईः की साल 2019 की सदस्यता के लिए चुना गया है।

भारत की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी, द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज़ का गठन 1930 में हुआ था। यह इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश में है। इस अकादमी का ख़ास काम भारत के वैज्ञानिकों की ज़रिए किए गए अनुसंधान कार्यो के प्रकाशन करना और उनके बीच विचारों के आदान प्रदान के लिए देश के पैमाने पर एक मंच मुहैया कराना है। देश की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी होने के नाते एनएएसआई विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे कामों को लोकप्रिय बनाने और उनका प्रचार प्रसार करने पर खास ध्यान देती है। हाल के दिनों में अकादमी ने अपने फेलो और सदस्यों की सक्रिय मदद से बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

डा. तौक़ीर अहमद ने आईआईटी, रूड़की से साल 2000 में केमैस्ट्री में मास्टर्स किया और 2006 में आईआईटी, दिल्ली से नैनो टेक्नोलॉजी में पीएचडी किया। इसके फौरन बाद वह बतौर एसिस्टेंट प्रोफेसर जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आए। 2018 में वह एसोसिएट प्रोफेसर हो गए। उन्हें भारत रत्न प्रो सी.एन.आर. राव

के साथ 2015 और 2016 में विज़िटिंग साइंटिस्ट के तौर पर काम करने का सौभाग्य मिला।

डा. अहमद की एमएचआरडी, डीएसटी, सीएसआईआर, यूजीसी और जामिया से आठ अनुसंधान और सऊदी अरब से 300 लाख से ज़्यादा मूल्य के इंटरनेशनल अनुसंधान प्रोजक्ट पाने में बड़ी भूमिका रही। डा अहमद के 102 से ज़्यादा अनुसंधान पत्र दुनिया की जानी मानी विज्ञान पत्रिकाओं में छपे हैं।

वह इंडियन एसोसिएशन ऑफ सॉलिड स्टेट केमिस्ट्स एंड एलाइड साइंटिस्ट्स, सोसायटी ऑफ मैटेरियल्स , अमेरिकन नैनो सासाइटी जैसी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अकादमियों और सोसाइटी के आजीवन सदस्य हैं। वह एनपीजी के साइंटिफिक रिपोर्ट्स जर्नल के एडिटोरियल बोर्ड के सदस्य भी हैं। डा अहमद को साल 2009 में भारत सरकार की तरफ से डीएसटी–डीएफजी अवार्ड मिला और सालिड स्टेट केमैस्ट्री, नैनो टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए 2015 में राष्ट्रपति ने उन्हें प्रेरक अध्यापक के रूप में मान्यता दी।

डा आसिमुल इस्लाम ने प्रोटीन फोल्डिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में उनके 110 से अधिक शोध लेख प्रकाशित हो चुके हैं। उनके शोध कार्यो को सीएसआईआर, एसईआरबी–डीएसटी, यूजीसी और आईसीएमआर की ओर से वित्तीय सहायता मिली है। उन्होंने जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 15 से ज़्यादा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों को आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके 30 से ज़्यादा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए हैं। वह इंडियन इम्युनोलॉजी सोसायटी, सोसायटी आफ बायोलोजिकल केमैस्ट्री , प्रोटीन सोसायटी आदी जैसे कई देशी विदेशी संस्थाओं के आजीवन सदस्य हैं।

अहमद अज़ीम

जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक